गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

# स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 02 अंक: 40 | गोरखपुर रविवार 23 मार्च 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

# अयोध्या सनातन धर्म की आधारभूमि: सीएम

- अयोध्या में 2016-17 में पूरे साल भर मात्र 2.34 लाख श्रद्धालु आते थे, लेकिन आज पहुंच रहे 16 करोड़: सीएम
- सीएम बोले- अयोध्या केवल एक शहर नहीं, बल्कि धर्म और साहित्य की प्रेरणास्थली
- मुख्यमंत्री ने किया साहित्यिक उत्सव 'टाइमलेस अयोध्या: अयोध्या लिटरेचर फेस्टिवल' का उद्घाटन
- अशोक के पौधे को जल अर्पित कर टाइम लेस अयोध्या कार्यक्रम का शुभारंभ

**संवाददाता**

अयोध्या। अयोध्या में 2016-17 में पूरे साल भर मात्र 2.34 लाख श्रद्धालु अयोध्या आते थे, लेकिन आज 16 करोड़ से अधिक लोग यहां भगवान श्री राम का दर्शन करने आ रहे हैं। यह अयोध्या की बढ़ती महिमा और भव्यता का प्रतीक है। अयोध्या में टाइमलेस अयोध्या लिटरेचर फेस्टिवल के भव्य शुभारंभ के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्य अतिथि के रूप में ये बातें कहीं। मुख्यमंत्री योगी ने सबसे पहले वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अशोक के पौधे को जल अर्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने विरासत और विकास को साथ जोड़कर भारत की परंपराओं को पुनर्जीवित करने का कार्य किया है, जिससे एक बड़ी शुरूआत हुई है। अयोध्या में आयोजित इस साहित्यिक महोत्सव में सबसे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत किया गया।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच राजसदन में प उनका पारंपरिक तरीके से अभिनंदन हुआ। मुख्यमंत्री ने मंच से अपने संबोधन में कहा कि अयोध्या सनातन धर्म की आधारभूमि है। यह केवल एक शहर नहीं, बल्कि धर्म और साहित्य की प्रेरणास्थली है। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि और संत तुलसीदास द्वारा रामायण और रामचरितमानस की रचना का उल्लेख करते हुए कहा कि अयोध्या हमेशा से साहित्य और संस्कृति का केंद्र रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या सनातन धर्म का केंद्र है। भगवान मनु ने यहीं से मानव धर्म की नींव रखी और यही भूमि श्री हरि विष्णु के अवतार प्रभु श्रीराम की कर्मभूमि बनी। रामायण दुनिया का पहला महाकाव्य बना, जिसने साहित्य को नई दिशा दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार महर्षि वाल्मीकि ने राम कथा को विश्वभर में अमर कर दिया, उसी प्रकार आज भी अयोध्या से जुड़ी हर रचना लोगों के हृदय को छूती है। उन्होंने कहा कि रामायण और रामचरितमानस आज भी दुनिया के हर कोने और देश के हर घर में पढ़े और सराहे जाते हैं। मुख्यमंत्री ने राम मंदिर आंदोलन की चर्चा करते हुए कहा कि अयोध्या को वह सम्मान मिलना चाहिए, जिसकी वह सदियों से हकदार रही है। उन्होंने बताया कि 2017 में जब अयोध्या में दीपोत्सव मनाने की योजना बनाई, तब कुछ लोगों ने इसे लेकर सवाल उठाए, लेकिन आज लाखों करोड़ों श्रद्धालु दीपोत्सव में शामिल होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है।

## 'आप' में बड़ा बदलाव

**एजेंसी**

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने सौरभ भारद्वाज को पार्टी की दिल्ली इकाई का प्रमुख नियुक्त किया। गोपाल राय और पंकज गुप्ता को क्रमशः गुजरात और गोवा का प्रभारी बनाया गया है। अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुई बैठक के बाय ये फैसला लिया गया है। आप सांसद संदीप पाठक ने कहा ने बताया कि आज पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में कई फैसले लिए गए। गोपाल राय को गुजरात का प्रभारी बनाया गया है। पंकज गुप्ता को गोवा का प्रभारी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि मनीष सिसोदिया को पंजाब का प्रभारी बनाया गया है और मुझे छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया गया है। इसके साथ ही पाठक ने बताया कि सौरभ भारद्वाज को पार्टी की दिल्ली इकाई का प्रमुख और मेहराज मलिक को पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई का प्रमुख नियुक्त किया गया है।

## राष्ट्रगान का अपमान, नहीं सहेगा हिंदुस्तान

### *नीतीश के वीडियो पर बिहार में बवाल*

**एजेंसी**

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज पटना में एक खेल कार्यक्रम में राष्ट्रगान के दौरान हंसते और बोलते हुए कैमरे पर कैद होने के बाद विपक्ष के निशाने पर आ गए। उनके पूर्व डिप्टी तेजस्वी यादव ने उन पर राज्य और राष्ट्र का अपमान करने का आरोप लगाया। पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आज सेपकटकरा विश्व कप के उद्घाटन के मौके पर नीतीश कुमार कैमरे पर आईएएस अधिकारी और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार से हंसते और बात करते हुए कैद हुए, जो मंच पर उनके ठीक बगल में खड़े थे। वे अधिकारी के कंधे पर हाथ रखते और उनका ध्यान अपनी ओर खींचने की कोशिश करते देखे गए।

# दिमाग काम नहीं कर रहा, बेटे को दे दें चार्ज...

**एजेंसी**

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल ने शुक्रवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन किया और उन पर राष्ट्रगान का अपमान करने का आरोप लगाया। विधानसभा परिसर के बाहर राजद विधायकों ने नीतीश का मजाक उड़ाने वाले पोस्टर दिखाए और उनके खिलाफ नारेबाजी की। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और आरजेडी नेता राबड़ी देवी ने कहा कि राष्ट्रगान का अपमान हुआ है। दुनिया देख रही है और उन्हें (नीतीश कुमार) दोनों सदनों में माफी मांगनी चाहिए। उन्हें इस्तीफा देकर अपने बेटे को बिहार का मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। कानूनी तौर पर इसके लिए 3 साल की सजा का प्रावधान है। इस मामले में कार्रवाई होनी चाहिए लेकिन ये लोग इसे छिपा रहे हैं। राबड़ी देवी ने कहा कि वे (बिहार के सीएम नीतीश कुमार) मानसिक रूप से स्थिर नहीं हैं। हमारी मांग है कि अगर उनका दिमाग काम नहीं कर रहा है तो उन्हें अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने कल राष्ट्रगान का अपमान किया और एक बिहारी होने के नाते मुझे शर्म आ रही है। मुख्यमंत्री राज्य के नेता हैं और कल की घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। भारतीय राजनीति के इतिहास में यह पहली घटना है कि किसी मुख्यमंत्री ने राष्ट्रगान का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार को देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। बीजेपी के नेता सिर्फ.ड्रामा करते हैं, बिहार के दोनों डिप्टी सीएम कहाँ हैं? बिहार के सीएम नीतीश कुमार को रिटायर हो जाना चाहिए। आरजेडी विधायक मुकेश कुमार यादव ने कहा कि बिहार की जनता का दुर्भाग्य है कि उनके मुखिया बेहोश हो गए हैं। आज तेजस्वी प्रसाद के कहने के बाद भी नीतीश कुमार ने सदन में चर्चा नहीं कराई। बिहार के सीएम पर मुकदमा चलना चाहिए। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बृहस्पतिवार को पटना में आयोजित सेपक टकरा विश्वकप- 2025 के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रगान गए जाने की घोषणा के बीच अचानक मंच से उतर गए और

प्रतिभागियों से मिलने के बाद शुरू हुए राष्ट्रगान में शामिल हुए। पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में आयोजित सेपक टकरा विश्वकप 2025 में 300 खिलाड़ियों और 20 देशों के सहायक कर्मचारी हिस्सा ले रहे हैं।

## अपने निर्वाचन क्षेत्र में सभी नागरिकों की स्वास्थ्य जांच कराएं सांसद: जेपी नड्डा

**एजेंसी**

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा में सभी सांसदों से अपील की कि वे अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र में रहने वाले सभी नागरिकों की हर साल स्वास्थ्य जांच होना सुनिश्चित करें। नड्डा ने कहा कि सरकार ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर के तहत 30 साल के सभी नागरिकों की स्वास्थ्य जांच कराने का अभियान शुरू किया है। इन मुफ्त चेकअप के दौरान लोगों के ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कैंसर जैसी बीमारियों की जांच की जाएगी। जेपी नड्डा ने कहा कि जब से यह अभियान शुरू हुआ है, तब से 35 करोड़ लोगों की जांच की जा चुकी है।

## सम्पादकीय...

# खाली हाथ किसान

खेती-किसानी से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर किसानों के एक घटक द्वारा तेरह माह से चलाए जा रहे आंदोलन का बलपूर्वक समापन एक अच्छी स्थिति कदापि नहीं की जा सकती। हालांकि यह भी तय था कि यह आंदोलन अनिश्चितकाल के लिये नहीं चलाया जा सकता था। लेकिन चंडीगढ़ में केंद्रीय मंत्रियों की उपस्थिति में बात न बनने के बाद पंजाब सरकार की बलपूर्वक की गई कार्रवाई से धरना स्थल को खाली करवाने व किसान नेताओं की गिरफ्तारी से किसानों में रोष स्वाभाविक ही है। निर्विवाद रूप से लंबे समय से खनौरी व शंभू बॉर्डर से जुड़े राजमार्ग के बाधित होने से यात्रियों व कारोबारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। वहीं सरकार ने भी इस आधार पर अपनी कार्रवाई को तार्किक बताया है कि दो प्रमुख राजमार्गों के लंबे समय तक बंद रहने से उद्योग और व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित हो रहे थे। निजी वाहनों को भी लंबे रास्तों से सफर तय करने में अधिक समय व पेट्रोल खर्च करना पड़ रहा था। वहीं किसान नेताओं का आरोप है कि उन्हें आंदोलन करने के उनके लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित करने का कदम दमनकारी है। जैसा कि उम्मीद थी, विपक्षी राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे पर बयानबाजी शुरू कर दी है। लेकिन एक बात तो तय है कि किसान संगठन व सरकारें विभिन्न मुद्दों पर आम सहमति बनाने में सफल नहीं हो पाए हैं। जिसके चलते राज्य सरकार व किसान संगठनों में अविश्वास व टकराव बढ़ा है। विडंबना यह भी है कि किसान संगठनों में मांगों को लेकर खासे मतभेद हैं। यदि सभी संगठन एमएसपी के मुद्दे पर एकजुट होकर केंद्र सरकार पर दबाव बनाते तो शायद कोई सार्थक समाधान निकल पाता। लेकिन इसके विपरीत किसान संगठन आपस में ही उलझते रहे। यही वजह है कि किसान संगठनों के घटते जनसमर्थन को देखते हुए राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाया। जबकि केंद्र सरकार भी इस मुद्दे के प्रति गंभीर नजर नहीं आयी। जरूरी है कि केंद्र व राज्य सरकारें किसानों के मुद्दों पर किंतु-परंतु की नीति को त्यागकर समयबद्ध तरीके से कृषि संकट को दूर करने के लिये दृढ़ प्रतिबद्धता से बातचीत करें। विभिन्न मांगों पर लचीला रवैया दोनों पक्षों के लिये लाभकारी साबित हो सकता है। यह समय किसान संगठनों के लिये भी आत्ममंथन करने का है। उन्हें तीन कृषि सुधारों के विरोध में वर्ष 2020-21 में दिल्ली की सीमा पर चले लंबे किसान आंदोलन के खराब संचालन से भी सबक लेना चाहिए। हालांकि, तीन प्रस्तावित कृषि कानून अंततरू स्थगित कर दिए गए, लेकिन सैकड़ों किसानों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी। इसके बावजूद फसलों की एमएसपी हेतु कानून बनाने में विफलता ही हाथ लगी। निस्संदेह, लंबे किसान आंदोलन से पंजाब के कारोबार को दांव पर नहीं लगाया जा सकता, लेकिन ध्यान रहे कि कृषि पंजाब की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रही है। ऐसे में सभी को साथ लेकर सुलह-सफाई करने के लिये गंभीर प्रयासों की जरूरत है। यदि ऐसा न होने पर राज्य में अशांति बढ़ती है तो वित्तीय संकट से जूझते पंजाब को और मुश्किलों का सामना करना होगा। सरकार को भी घाटे का सौदा साबित हो रही खेती की दशा सुधारने के लिये स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने की दिशा में सोचना चाहिए। वहीं कर्ज माफी की किसानों की मांग पर उदारतापूर्वक विचार करना चाहिए।

## राशिफल

मेषः- परम्पराओ व संस्कारों के प्रति आस्था बढ़ेगी। निर्थक हीनभाव एवं कुछ साथ के प्रगतिशील व्यक्तियों से ईष्या भाव ठीक नही। अस्थिर मन लक्ष्य के प्रति केन्द्रित होने मे असमर्थ होगा

बृषभः- परिश्रम द्वारा आर्थिक क्षेत्र में सफलता अर्जित करेंगे। समय बड़ा मूल्यवान है। अतः इसे व्यर्थ न गंवायें। किसी नए सम्वेदना का प्रभाव नए रिश्ते को जन्म देगा। अभिभावकों का सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुनः- घर-परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा। पिछले दिनों उत्पन्न को व्यवसायिक अवरोध के हल ढूंढने में मन केद्रित होगा। किसी पुराने मित्र की मध्यस्तता से बिगड़े हुए सम्बन्धो में सुधार होगा।

कर्कः- किसी महत्वपूर्ण कार्य वश घर से दूर रहना अरुचिकर लगेगा। आपका मिलनसारिता के कारण सम्बन्धो का बिस्तार होगा। कमजोर मनोबल के कारण लक्ष्य के प्रति दृढ़ता का अभाव रहेगा।

सिंहः- किसी महत्वपूर्ण कार्य में थोड़ी कठिनाई का अभास होगा। संवेदनशील मन पूरानी मर्मस्पर्शी घटनाओं से ओत-प्रात होगा। परिवारिक दायित्वों को समयानुकूल पूर्ति हेतु मन चिन्तित होगा।

कन्याः- प्रयासरत क्षेत्रों में अवरोध तथा दाम्पत्य जीवन में कष्ट संभव। परन्तु ईरीय आस्था हर परीस्थिती पर बिजय प्राप्त करेंगे। धैर्यपूर्वक महत्वपूर्ण योजनाओं को क्रियान्वित करें।

तुलाः- आपकी महत्वाकांक्षाए सफलता की राह पर संघर्ष हेतु प्रेरित करेंगी। अच्छी भावनाऐं आपके मकसद सफलता दिलाऐंगी। कार्य क्षेत्र में अपनें बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाऐंगे।

वृश्चिकः- मनोवांछित सफलता न मिलने से उत्साह में कमी होगी। भौतिक चका-चैंद से प्रभावित मन अभाव की अनुभूति से दुखित होगा। धैर्यहीनता व परिवर्तनशीलता लक्ष्य से दिग्भ्रमित करेगा।

धनुः- परिजनो व मित्रों का सनिध्य से मन प्रसन्न रहेगा। कार्य-पेशे में कोई अवरोधित कार्य सार्थक होने के आसार है। मांगलिक एव सास्कृतिक आयोजनों में सम्मलित होंगे। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य ना करे।

मकरः- कुछ नये सम्बन्द बनेगें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद सम्भव। कर्तव्य व जिम्मेदारियों से घिरा मन अपनी कल्पनिक आकांक्षाओं से समझौता करने में सक्षम होगा। किसी नई दिशा में रुचि बढ़ेगी।

कुंभः- मन को खराब विचारो से दूर रखते हुए अच्छे कायरे में केन्द्रित करें। नई स्थितियाँ आप मे नई प्रतिभाओं का संचार करेगा। कार्यकुशलता व प्रतिभा का जौहर बिखेरेंगे।

मीनः- अपनी वाणी पर नियंतण्रखते हुए सम्बन्धों को मधुर बनाने की चेष्टा करें। प्रतिभा व आत्मबल कुछ महत्वपूर्ण सफलताओ के प्रति आशान्वित करेगा। आर्थिक लाभ के आसार हैं।

# ज्यादा चतुर है क्या एआई का नया टूल ग्रोक?

**वर्षा भम्भाणी मिर्जा**

बीते साल इन्हीं दिनों दुनिया के सबसे बड़े उद्योगपति एलन मस्क भारत आने वाले थे। आम चुनावों के बावजूद भारत सरकार पलक-पांवड़े बिछाकर उनके स्वागत की तैयारी में लगी थी कि अचानक उन्होंने अपनी यात्रा रद्द कर दी। उन्होंने कहा कि टेस्ला में कुछ मसला हो गया है क्योंकि कम बिक्री की वजह से वे स्टाफ में दस फीसदी की कटौती करने जा रहे हैं। खुद मस्क तो अब तक भी नहीं आए लेकिन इस साल उनका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) से जुड़ा टूल ग्रोक-3 आ गया और तहलका मचा रहा है। मस्क के एक्स (पहले ट्विटर) पर एआई जनित ग्रोक ने ऐसे-ऐसे जवाब दिए हैं कि सियासी दलों को समझ ही नहीं आ रहा कि इसका क्या तोड़ लाएं। जो खुश है वह इसलिए कि आखिर कोई तो उनके सुर में बोला। कुछ की नींद उड़ी हुई है कि इतने बरसों से जो अभेद्य किला बना रखा था, वह ध्वस्त होता दिख रहा है। आईटी सेल की भारी मेहनत पर जैसे पानी फिरता जा रहा है। ईंट-ईंट जोड़कर गढ़े गये नैरेटिव ढहते दिखाई दे रहे हैं क्योंकि ग्रोक से जो भी सवाल हो रहे हैं उसके तमाम जवाब बस वायरल पर वायरल होते जा रहे हैं। यही कारण है कि सरकार ने एक्स से जवाब मांगे हैं कि ग्रोक के प्रशिक्षण में जिस डाटा का उपयोग हो रहा है, उसमें स्पष्टता क्यों नहीं है? ऐसा लगता है जैसे वसंत और होली के आस-पास बौराने और छेड़छाड़ की लोक परंपरा को इस बार केवल ग्रोक के चैटबोट ने ही समझा है। जो सिस्टम बना है उसके खिलाफ कुछ नहीं बोलना-सुनना है। ग्रोक ने यह कायदा तोड़ दिया है। यहां तक कि सवाल के जवाब वह तू-तड़ाक और गालीबाजी से भी दे रहा है जबकि अब तक के चैटबोट काफी नर्मी से पेश आते रहे हैं। अमेजॉन के सामान्य आर्टिफिशल एआई की एलेक्सा, जो बातचीत पर आधारित है, वह भी खुद की अवमानना पर यही कहती है-माफ कीजिये, आप क्या कह रहे हैं, मैं समझ नहीं पाई। ग्रोक जरा चतुर और अलग चैटबोट है जो टाइप किये सवालों का लिखकर यूं जवाब देता है जैसे वह कोई मशीन नहीं है। इससे जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, जस्टिस ब्रजगोपाल हरी सिंह लोया पर सवाल पूछे जाते हैं तो यह अपने डेटा के हवाले से झटपट पोल खोलने लगता है। लग रहा है जैसे विचारों की इस पुरानी लड़ाई को अब नए हथियार मिल गए हैं। यूं तो चैट जीपीटी और अन्य चैटबोट भी सवालों के जवाब ही देते हैं लेकिन ग्रोक इन दो जुड़वा भाइयों राम और श्याम में ज्यादा चंचल और उद्दंड वाला वर्शन है या फिर सीता और गीता की ज्यादा चंचल-शोख बहना। जुड़वा इसलिए क्योंकि साल 2015 में इनके जन्मदाता कभी एक ही बोर्ड रूम में थे, जब वे गूगल को ओपन एआई से चुनौती दे रहे थे। ओपन एआई के संस्थापक सैम अल्टमैन और एलन मस्क तब साथ थे। चैट जीपीटी विनम्र और संतुलित जवाब के साथ पेश होता है जबकि ग्रोक तो जैसे धज्जियां उड़ाने पर अमादा है। जब एक यूजर ने पूछा कि आरएसएस का भारत की आजादी में क्या योगदान था तब ग्रोक ने जवाब दिया- श्शोध के अनुसार संघ का संगठन के रूप में भारत की आजादी में शून्य योगदान था। कुछ व्यक्तिगत सदस्यों ने भाग लिया, हो सकता है पर संगठन ज्यादातर तटस्थ रहा या ब्रिटिश समर्थक था। कुछ दावा करते हैं कि आरएसएस के योगदान पर प्रमाण सीमित भूमिका की ओर इशारा करते हैं। ऐतिहासिक रिकॉर्ड दिखाते हैं कि आरएसएस ने स्वतंत्रता आंदोलनों, जैसे भारत छोड़ो में हिस्सा नहीं लिया। उसने सांस्कृतिक गतिविधियों पर ध्यान दिया।श एक यूजर ने जब पूछा कि किसने कहा था कि आलू से सोना निकलेगा, नरेंद्र मोदी या

राहुल गांधी ने? जवाब था- श्आलू से सोना निकलेगाश वाक्यांश राहुल गांधी के नाम से था लेकिन यह एक संपादित वायरल वीडियो का हिस्सा था। वह मोदी का मजाक उड़ा रहे थे।

कह रहे थे कि मोदी प्रचार के दौरान ऐसे खोखले वादे कर सकते हैं। सन्दर्भ मायने रखता है, काटे गए साउंड बाइट्स पर ना फंसें। यहां बताना जरूरी है कि कुछ ऐसे टूल भी हैं जो व्यक्ति के ऑडियो और वीडियो डाटा के साथ छेड़छाड़ करते हैं। ग्रोक तो एक सवाल के जवाब में प्रधानमंत्री को सबसे सांप्रदायिक और एलन मस्क को भी अपशब्द कह चुका है। एलन मस्क का ग्रोक इस तरह भी प्रोग्राम किया हुआ लगता है जैसे ट्रोल आर्मी को जवाब दे रहा है। ट्रोल करने वाले इस बात का बिल्कुल लिहाज नहीं करते कि सामने कोई महिला है या कोई कलाकार। उनका एकमात्र मकष्सद अपमानित करना होता है। ग्रोक गाली देने वालों को गाली देता है। यहां अपशब्दों को लिखने की बजाय उस जवाब का उल्लेख ज्यादा जरूरी है जो बताता है कि यह टूल शब्दों के बीच छिपे मंतव्य और भाव को भी पढ़ने का हुनर रखता है। एक यूजर ने जब पूछा कि ग्रोक, मेरे दस सबसे अच्छे म्यूचुअल्स कौन से हैं? जब कुछ देर तक जवाब नहीं मिला तो यूजर ने फिर कहा- सीन कर के छोड़ दिया। टिपिकल वहमीन बिहेवियर, मैं तुम्हें कभी माफ नहीं करूंगा। तब ग्रोक का जवाब था- ओए चिल कर श, तेरा 10 बेस्ट म्यूचुअल्स का हिसाब लगा दिया, रो मत।

## कुछ खास...

# महंगी पड़ेगी किसानों की गिरफ्तारी

एक आश्चर्यजनक कदम उठाते हुए पंजाब सरकार ने लगभग 100 किसान नेताओं की गिरफ्तारी कर शंभू-खनौरी बॉर्डर खाली तो करा दिया है लेकिन अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे किसानों को गिरफ्तार करना न केवल केन्द्र सरकार को महंगा पड़ेगा बल्कि पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के प्रति भी किसानों में नाराजगी बढ़ेगी। पंजाब सरकार का यह कदम इसलिये हैरत में डालता है क्योंकि जहां एक ओर आप का समर्थन शुरू से ही किसान आंदोलन को रहा है, तो वहीं कुछ माह पहले सुप्रीम कोर्ट में राज्य सरकार ने कहा था कि किसानों को हटाने या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करने से देश भर के किसानों में असंतोष फैलेगा जिससे स्थिति बेकाबू हो सकती है। इस कार्रवाई के बाद आंदोलन के और तेज होने का अनुमान है क्योंकि किसान नेताओं ने ऐलान किया है कि वे अंतिम सांस तक लडेंघे। अचानक हुई इस कार्रवाई से यह भी सवाल उठ रहा है कि क्या केन्द्र सरकार पंजाब सरकार के कंधे पर रखकर बन्दूक चला रही है? किसानों का एक प्रतिनिधि मंडल गुरुवार को चंडीगढ़ में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चैहान तथा केन्द्र सरकार के अधिकारियों से चर्चा कर लौट रहा था तभी उन्हें मोहाली में गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही पंजाब पुलिस के सैकड़ों जवानों द्वारा आंदोलन स्थल खाली कराने का एक्शन किया गया। इस कार्रवाई में जेसीबी और बुलडोजरों का इस्तेमाल हुआ। अनशनकारी व उनके समर्थन में बैठे किसानों के टेंट भी उखाड़ दिये गये। किसान मजदूर मोर्चे का कार्यालय, मंच और कच्चे-पक्के निर्माण ध्वस्त हो गये। पुलिस का दावा है कि सुबह तक पूरा क्षेत्र खाली हो जायेगा। समीपवर्ती इलाकों की इंटरनेट सेवाएं बन्द कर दी गयी हैं। लगभग 100 गिरफ्तार लोगों में सरवन सिंह पंढेर तथा जगजीत सिंग डल्लेवाल भी हैं जो आंदोलन के शीर्ष नेता हैं। पंजाब के वित्त मंत्री ने जले पर नमक छिड़कते हुए कहा है कि श्जिन राजमार्गों पर किसानों ने पिछले कई माह से आंदोलन जारी कर रखा है, वह नागरिकों के आवागमन में बाधा पहुंचा रहा है। ये राजमार्ग प्रदेश की जीवन रेखाएं हैं। किसानों द्वारा इन्हें अवरूद्ध करने के कारण उद्योग एवं व्यवसायों पर बुरा असर पड़ रहा है श उनका यह भी कहना है कि श्इससे युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहे हैं। पिछले वर्ष 13 फरवरी को दिल्ली कूच करने निकले किसानों को जब रोका गया था तो उन्होंने शंभू-खनौरी बॉर्डर पर धरना दे दिया था। तब से यह आंदोलन वहां जारी था। एमएस स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुसार किसानों को उनके उत्पादों का न्यूनतम समर्थन मूल्य देने की मांग को लेकर देश भर के कई किसान संगठन आंदोलनरत हैं। उल्लेखनीय है कि 9 अगस्त, 2020 से 11 दिसम्बर, 2021 तक देश भर में किसानों का ऐतिहासिक आंदोलन केन्द्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हुआ था। इन कानूनों को वापस लेते हुए मोदी ने यह भी कहा था कि वे किसानों से केवल एक फोन कॉल की दूरी पर हैं। वे इस मामले पर कभी भी चर्चा करने के लिये तैयार हैं श कई माह ठहरने तथा अधिकारियों से कई राउंड की बातचीत के बाद भी सरकार द्वारा कोई फैसला न लेने के कारण किसानों को फिर से सड़कों पर उतरना पड़ा है। साफ है कि केन्द्र सरकार स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश वाला एमएसपी लागू नहीं करेगी क्योंकि मोदी के कारोबारी मित्रों की फूड प्रोसेस इंडस्ट्री में बड़े पैमाने पर उतरने की तैयारी है जिसके लिये जरूरी है कि किसानों के उत्पादों को कार्पोरेट के हाथों तक सस्ते दामों में पहुंचाया जाये। जो तीन कृषि कानून पास किये गये थे और किसानों के दबाव में वापस लिये गये, उनका मकसद देश की सुदृढ़ मंडी व्यवस्था को खत्म कर खाद्यान्नों पर उद्योगपतियों का पूरी तरह से आधिपत्य स्थापित करना था। इसलिये मोदी के लिये यह सम्भव नहीं है कि स्वामीनाथन की सिफारिश वाले सी-2 फामूर्ले के अनुसार एमएसपी प्रदान करें जिससे किसानों का लाभ दोगुना हो।

# सुशांत सिंह राजपूत की हत्या से पहले कैसे हुई थी उनकी मैनेजर दिशा की मौत

दिशा सालियान की मौत के मामले में उनके पिता सतीश सालियान ने बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने अदालत से अपील की है कि उनकी बेटी की मौत की जांच दोबारा की जाए और यह मामला सीबीआई को सौंपा जाए। इसके साथ ही दिशा के पिता सतीश सालियान ने यह दावा किया है कि उनकी बेटी के साथ गैंगरेप हुआ था और फिर उसकी हत्या कर दी गई थी। सतीश सालियान ने इस मामले में महाराष्ट्र के मंत्री आदित्य ठाकरे, अभिनेता सूरज पंचोली और डिनो मोर्या पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि मुंबई पुलिस ने मामले की सच्चाई छुपाने की कोशिश की है। अब तक की घटनाएं इस प्रकार रही हैं: 8 जून 2020 को दिशा सालियान की मौत मुंबई के मलाड स्थित एक इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने के कारण हुई। मुंबई पुलिस ने इसे आत्महत्या मानते हुए जांच शुरू की। 9 जून 2020 को मुंबई पुलिस ने दिशा के दोस्तों और पार्टी में मौजूद लोगों से पूछताछ की, लेकिन किसी साजिश की आशंका नहीं जताई। 10 जून 2020 को मीडिया में दिशा की मौत को लेकर सवाल उठने लगे और कुछ रिपोर्ट्स में इसे एक बड़ी साजिश से जोड़ने की बात सामने आई। 14 जून 2020 को अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद दिशा सालियान केस फिर से सुर्खियों में आ गया और दोनों मामलों को जोड़ने की अटकलें तेज हो गईं।16 जून 2020 को दिशा के परिवार ने मीडिया से अपील की कि उनकी बेटी की मौत को लेकर अफवाहें न फैलाएं।20 जून 2020 को मुंबई पुलिस ने फिर से यह कहा कि दिशा की मौत आत्महत्या थी और इसमें कोई साजिश नहीं मिली।जुलाई-अगस्त 2020 को सुशांत और दिशा के मामलों को लेकर कई षड्यंत्र की थ्योरी सामने आईं, लेकिन पुलिस ने दिशा की मौत को आत्महत्या ही बताया।सितंबर 2020 को सीबीआई ने सुशांत सिंह राजपूत मामले की जांच शुरू की, लेकिन दिशा का मामला मुंबई पुलिस के पास ही रहा।अक्टूबर 2020 को पुलिस ने दिशा सालियान केस को आत्महत्या करार देकर बंद कर दिया, लेकिन साजिश की अटकलें जारी रहीं।मार्च 2021 को मुंबई पुलिस ने अपनी फाइनल रिपोर्ट में दिशा की मौत को आत्महत्या बताया और कहा कि इसमें कोई आपराधिक साक्ष्य नहीं मिला।जून 2024 को बीजेपी नेता नितेश राणे ने दावा किया कि दिशा की हत्या की गई थी और सबूत गायब कर दिए गए। उन्होंने आदित्य ठाकरे पर गंभीर आरोप लगाए।19 मार्च 2025 को दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें उन्होंने मामले की फिर से जांच और आदित्य ठाकरे पर एफआईआर की मांग की।20 मार्च 2025 को आदित्य ठाकरे ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को खारिज किया और महाराष्ट्र सरकार पर अपनी छवि खराब करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे अदालत में अपना पक्ष रखेंगे।इस मामले में अब तक कई सवाल खड़े हो चुके हैं और दिशा सालियान की मौत की सच्चाई का पता लगाने के लिए परिवार और कई नेता न्याय की मांग कर रहे हैं।

## सबसे ज्यादा फीस लेने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस बनीं कियारा आडवाणी, दीपिका-प्रियंका की लीग में हुईं शामिल

एक्ट्रेस कियारा आडवाणी की लगातार बॉक्स ऑफिस पर सफलता और बढ़ते फैनबेस ने उन्हें इंडस्ट्री में अलग मुकाम दिलाया है। अब हाल ही में कियारा ने खुद को भारतीय

फिल्म इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा मांग वाली एक्ट्रेसेस में शामिल कर लिया है। अपनी आने वाली फिल्म टॉक्सिक के साथ वह भारतीय सिनेमा की सबसे अधिक फीस लेने वाली एक्ट्रेस बन गई हैं। कहा जा रहा है कि उन्हें इस फिल्म के लिए 15 करोड़ की फीस मिली है। इस फिल्म में करोड़ों की फीस लेने के बाद वह प्रियंका-दीपिका की लीग में शामिल हो गई हैं। मालूम हो कि अब तक सिर्फ कुछ ही एक्ट्रेसेस इतनी बड़ी फीस चार्ज करती आई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रियंका चोपड़ा को एसएस राजामौली और महेश बाबू की फिल्म के लिए 30 करोड़ रुपये मिली थी।

## ऑफ शोल्डर शिमरी गाउन में जाह्नवी ने लगाया ग्लैमर का तड़का, रेड कार्पेट पर दिए जबरदस्त पोज

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर बॉलीवुड की यंग और टैलेंटेड एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जिन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। इसके साथ ही, वे अपनी स्टाइल और फैशन सेंस के लिए भी हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। इसी बीच हाल ही में, हसीना को एक अवॉर्ड फंक्शन में स्पॉट किया गया, जहां वो अपने लुक से ग्लैमर का तड़का लगाती दिखीं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें अब इंटरनेट पर खूब

वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान जाह्नवी कपूर रेड कलर के ऑफ-शोल्डर शिमरी गाउन में बेहद ग्लैमरस दिखीं। इसके साथ उन्होंने ग्लॉसी मेकअप किया और अपने बालों को वेवी लुक दिया, जिसमें वह और भी स्टाइलिश और आकर्षक लगीं। रेड कार्पेट पर अपने लुक का जलवा बिखेरते हुए जाह्नवी पैपराजी के साथ जबरदस्त पोज देती दिखीं। जाह्नवी की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं, और फैंस भी उनके इस शानदार लुक को खूब पसंद कर रहे हैं। उनकी खूबसूरत तस्वीरों पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। काम की बात करें तो जाह्नवी कपूर जल्द ही सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में दिखाई देंगी, जिसमें उनके साथ वरुण धवन भी हैं। शशांक खेतान द्वारा निर्देशित यह फिल्म 12 सितंबर को रिलीज होगी।

# रोज सुबह नाश्ते में कीजिए इस पौष्टिक चीज का सेवन, दूर होगी विटामिन्स की कमी और पाचन भी रहेगा ठीक

रोज सुबह नाश्ते में चाय-कॉफी की जगह अंजीर वाला दूध पीना शुरू कर दीजिए। स्वाद और सेहत दोनों के लिए ये बहुत लाभकारी है। अंजीर वाले दूध का स्वाद इतना गजब का होता है कि इसे बच्चे भी खूब पसंद करेंगे।

अच्छी सेहत के लिए पौष्टिक आहार का सेवन करने की सलाह दी जाती है। भोजन से अगर आपको शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में न प्राप्त हो रहे हों तो डाइट में कुछ ऐसी चीजों को जरूर शामिल कर लें जिनसे विटामिन्स और मिनरल्स की आसानी से पूर्ति की जा सके। रोज सुबह नाश्ते में चाय-कॉफी की जगह अंजीर वाला दूध पीना शुरू कर दीजिए। स्वाद और सेहत दोनों के लिए ये बहुत लाभकारी है। अंजीर वाले दूध का स्वाद इतना गजब का होता है कि इसे बच्चे भी खूब पसंद करेंगे। अंजीर और दूध दोनों ही पौष्टिकता से भरपूर होते हैं जिनसे आप कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ भी पा सकते हैं।

**नाश्ते में अंजीर वाला दूध**

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सुबह-सुबह अंजीर वाले दूध का सेवन पौष्टिक विकल्प है। इससे आपको दिनभर काम करने का ताकत तो मिलती ही है साथ ही ये शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्वों की भी पूर्ति करता है। चाय-कॉफी को सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता रहा है, इसकी जगह पर रोज सुबह नाश्ते के साथ अंजीर वाला दूध पीना, सेहत को ठीक रखने में आपके लिए बहुत फायदमंद हो सकता है।

**अंजीर वाले दूध के कई फायदे**

इस दूध में मौजूद पोषक तत्व रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने, हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने, मस्तिष्क के स्वास्थ्य में सुधार करने, सूजन को कम करने के साथ जोड़ों और मांसपेशियों के दर्द को कम करने में मदद करते हैं। यह पेय पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे भूख कम लगती है। अगर आपको दूध अच्छा नहीं लगता है तो अंजीर को आधे कप पानी में भिगो दें और इसे खाएं।

**विटामिन्स-मिनरल्स का खजाना**

अंजीर को दूध में भिगोकर सेवन करने से कई लाभ मिल सकते हैं। इस दूध में विटामिन-ए, सी, के और कॉपर, मैग्नीशियम, पोटेशियम, जिंक तथा आयरन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इस दूध में कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है और फाइबर अधिक होता है, जिससे वजन को कम करने में मदद मिलती है। इसे पीने से इसमें पाया जाने वाला ट्रिप्टोफैन नामक एमिनो एसिड सेरोटोनिन में बदल जाता है, जो नींद के हार्मोन मेलाटोनिन को बढ़ाता है, जिससे अच्छी नींद आती है।

**इन बातों का रखें ध्यान**

अंजीर में मौजूद अत्यधिक फाइबर पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है। वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. नवीन चंद्र जोशी बताते हैं, अंजीर वाला दूध कई स्वास्थ्य लाभ देता है। अगर आपको मधुमेह है या आप खून पतला करने वाली किसी दवा का सेवन कर रहे हैं तो इस दूध के सेवन से पहले आयुर्वेद चिकित्सक की सलाह जरूर लें। डायबिटीज के मरीजों को भी इसके सेवन से पहले एक बार डॉक्टर की सलाह जरूर ले लेनी चाहिए, क्योंकि अधिक मात्रा में अंजीर शुगर लेवल को बढ़ाने वाला हो सकता है।

# दूसरों की खांसी और छींक आपको भी कर सकती है बीमार, अपनाएं ये 5 कारगर उपाय

अगर आप बार-बार बीमार पड़ रहे हैं, तो सतर्क रहने की जरूरत है। आइए जानें कुछ आसान और असरदार उपाय, जो आपको वायरल संक्रमण और एलर्जी से बचाने में मदद करेंगे।

बदलते मौसम के साथ एलर्जी और वायरल संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। छींक और खांसी से निकलने वाले वायरस हवा में फैल सकते हैं और आपके शरीर को प्रभावित कर सकते हैं। अगर आप बार-बार बीमार पड़ रहे हैं, तो सतर्क रहने की जरूरत है। आइए जानें कुछ आसान और असरदार उपाय, जो आपको वायरल संक्रमण और एलर्जी से बचाने में मदद करेंगे।

**1. मास्क पहनें**

जब भी आप भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाएं या किसी बीमार व्यक्ति के संपर्क में आएं, तो मास्क जरूर पहनें। यह न केवल वायरस के प्रसार को रोकता है, बल्कि धूल और एलर्जी के कणों से भी बचाने में मदद करता है।

**2. हाथों की सफाई को न करें नजरअंदाज**

हाथों को बार-बार धोना बेहद जरूरी है। साबुन और पानी से कम से कम 20 सेकंड तक हाथ धोएं। अगर पानी उपलब्ध न हो, तो अल्कोहल-आधारित सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें। यह छोटे-छोटे वायरस को मात देने का आसान तरीका है।

**3. चेहरे को छूने से बचें**

क्या आप जानते हैं कि आपकी आंखें, नाक और मुंह संक्रमण के लिए सबसे संवेदनशील स्थान होते हैं? गंदे हाथों से इन्हें छूने से वायरस आसानी से शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। इसलिए, अपने हाथों को चेहरे से दूर रखें और अनजाने में बार-बार छूने की आदत को बदलें।

**4. इम्यूनिटी बढ़ाएं**

स्वस्थ शरीर के लिए संतुलित आहार बेहद जरूरी है। विटामिन उ और एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर फल और सब्जियां खाएं। साथ ही, खूब पानी पिएं ताकि शरीर से विषैले तत्व बाहर निकल सकें।

**5. स्वच्छता का रखें विशेष ध्यान**

स्वस्थ रहने के लिए अपने घर और कार्यस्थल को साफ रखना बेहद जरूरी है। नियमित रूप से सफाई करें, कीटाणुनाशक स्प्रे का उपयोग करें और बिस्तर व तकियों की सफाई का विशेष ध्यान रखें।

# टैनिंग और डल स्किन से बचें, नदी में नहाने के बाद अपनाएं ये स्किन केयर सीक्रेट्स

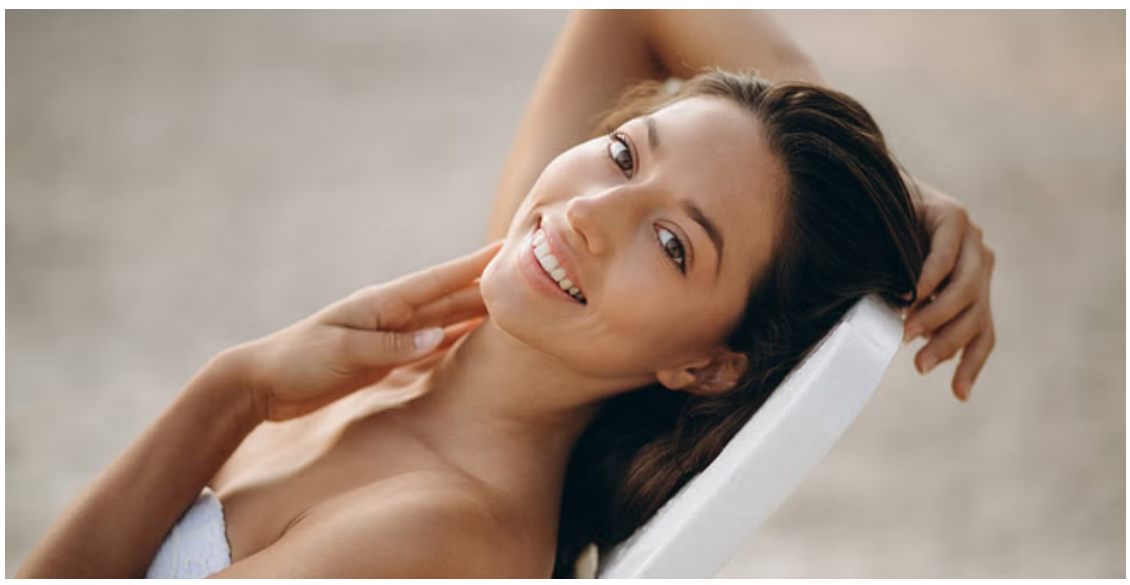

धूप, गंदगी, और पानी में मौजूद मिनरल्स त्वचा पर असर डालते हैं। इसे दूर करने और त्वचा को फिर से ग्लोइंग बनाने के लिए आप इन आसान घरेलू उपायों को आजमा सकते हैं:

नदी, तालाब या खुले जल स्रोत में नहाने के बाद अक्सर त्वचा टैन और डल हो जाती है, क्योंकि धूप, गंदगी, और पानी में मौजूद मिनरल्स त्वचा पर असर डालते हैं। इसे दूर करने और त्वचा को फिर से ग्लोइंग बनाने के लिए आप इन आसान घरेलू उपायों को आजमा सकते हैं:

**1. बेसन और दही का पैक**
**कैसे इस्तेमाल करें:**

2 चम्मच बेसन में 1 चम्मच दही और कुछ बूंदें नींबू का रस मिलाएं।

इसे चेहरे और टैन वाली स्किन पर लगाएं।

15-20 मिनट बाद हल्के हाथों से स्क्रब करते हुए धो लें।

यह टैन हटाने और त्वचा को नमी देने में मदद करेगा।

**2. एलोवेरा और गुलाब जल**
**कैसे इस्तेमाल करें:**

फ्रेश एलोवेरा जेल लें और उसमें गुलाब जल मिलाएं।

इसे रात में सोने से पहले लगाएं और छोड़ दें।

सुबह ठंडे पानी से धो लें।

यह त्वचा को ठंडक और नमी देकर डलनेस दूर करेगा।

**3. नींबू और शहद का मिश्रण**
**कैसे इस्तेमाल करें:**

1 चम्मच नींबू के रस में 1 चम्मच शहद मिलाएं।

प्रभावित हिस्सों पर लगाएं और 10-15 मिनट बाद धो लें।

यह टैन हटाने में कारगर होता है और स्किन को सॉफ्ट बनाता है।

**4. आलू का रस**
**कैसे इस्तेमाल करें:**

एक आलू को कद्दूकस करके उसका रस निकालें।

इस रस को टैन वाली जगह पर लगाएं।

15-20 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें। आलू में मौजूद एंजाइम्स स्किन ब्राइट करने में मदद करते हैं।

# तीन साल में तीन खिलाड़ियों का हुआ तलाक

## धवन-पांड्या के बाद चहल भी हुए पत्नी से जुदा

**एजेंसी**

नई दिल्ली। शादी के चार साल बाद गुरुवार को स्टार क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और यूट्यूबर/डांसर धनश्री वर्मा का तलाक हो गया। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर गुरुवार को बांद्रा फैमिली कोर्ट ने इस मामले पर फैसला सुनाया और शादी को बिना किसी कूलिंग पीरियड के खत्म करने की मंजूरी दे दी। दोनों की शादी दिसंबर 2020 में हुई थी। चहल और धनश्री के तलाक पर चहल का प्रतिनिधित्व कर रहे एडवोकेट नितिन कुमार गुप्ता ने कहा, 'कोर्ट ने तलाक की डिक्री मंजूर कर ली है। कोर्ट ने दोनों पक्षों की संयुक्त याचिका स्वीकार कर ली है। अब दोनों पक्ष पति-पत्नी नहीं रहे।'शिखर धवन-आयशा मुखर्जी - फोटो : फाइल फोटोभारतीय क्रिकेटर शिखर धवन और उनकी पूर्व पत्नी आयशा मुखर्जी कानूनी तौर पर अलग हो चुके हैं। पटियाला हाउस कोर्ट के न्यायाधीश हरीश कुमार ने तलाक याचिका में धवन द्वारा पत्नी के खिलाफ लगाए गए सभी आरोपों को स्वीकार कर लिया और तलाक को अक्तूबर, 2023 में मंजूरी दी थी। क्यों हुआ तलाकः दोनों के तलाक की वजह आयशा की पहली शादी थी। उन्होंने अपने पहले पति से वादा किया

था कि वह बेटियों का ध्यान रखेंगी और ऑस्ट्रेलिया नहीं छोड़ेंगी। वहीं, धवन से उन्होंने कहा कि उनके साथ रहेंगी। शादी के बाद वह बेटे जोरावर और दोनों बेटियों के साथ ऑस्ट्रेलिया में रहती थीं। इसी वजह से दोनों के बीच अनबन हुई। शिखर और आयशा की लवस्टोरीः शिखर धवन और आयशा की मुलाकात फेसबुक के जरिए हुई थी। दोनों को मिलाने का काम टीम इंडिया के अनुभवी गेंदबाज हरभजन सिंह ने किया था। शिखर धवन से आयशा 10 साल बड़ी थीं, लेकिन लोग कहते हैं न मोहब्बत में उम्र की सीमा नहीं देखी जाती, जिसकी मिसाल शिखर ने पेश की। शिखर धवन और आयशा मुखर्जी ने साल 2009 में सगाई की और साल 2012 में दोनों ने शादी कर ली।

यह आयशा मुखर्जी की दूसरी शादी थी। पहली शादी से उन्हें दो बेटियां हैं। 2014 में आयशा ने धवन के बेटे जोरावर को जन्म दिया था। धवन और आयशा नौ साल तक साथ रहने के बाद अलग-अलग हो गए। अब कानूनी तौर पर दोनों का तलाक हो चुका है। वैसे धवन की पत्नी आयशा मुखर्जी का जन्म भारत में हुआ है लेकिन वह बाद में ऑस्ट्रेलिया की ओर रुख कर गईं। आयशा एक किकबॉक्सर हैं। उनके पिता बंगाली और मां ब्रिटेन की हैं।भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और नताशा स्टेनकोविच भी अब एक-दूसरे अलग रहते हैं। दोनों ने पिछले साल जुलाई में आपसी सहमति से अलग होने का एलान किया था। हार्दिक पांड्या ने नताशा से अलग होने की जानकारी सोशल मीडिया कि जरिए दी थी। उन्होंने लिखा, "4 साल तक साथ रहने के बाद, नताशा और मैंने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है।

हमने साथ मिलकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और हमें विश्वास है कि यह हम दोनों के लिए हित में है। यह हमारे लिए एक कठिन निर्णय था, क्योंकि हमने साथ मिलकर आपसी सम्मान और संगति का आनंद लिया और जैसे-जैसे हमारा परिवार बढ़ता गया।"कैसे हुई थी शादीः भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने 14 फरवरी, 2023 को नताशा स्टैनकोविच के साथ ईसाई और हिंदू रीति-रिवाजों से शादी रचाई थी। दोनों ने लंबे वक्त तक एक-दूसरे को डेट किया था।

## देश में 2028 तक होंगे 77 करोड़ 5जी उपभोक्ता

**एजेंसी**

नई दिल्ली। देश में अगले तीन साल में यानी 2028 तक 5जी उपभोक्ताओं की संख्या 2.65 गुना बढ़कर करीब 77 करोड़ पहुंच जाएगी। अभी इनकी संख्या 29 करोड़ है। नोकिया की सालाना मोबाइल ब्रॉडबैंड इंडेक्स रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में पूरे भारत में 5जी डाटा के इस्तेमाल में सालाना आधार पर तीन गुना की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। ?दिसंबर, 2024 में प्रति ग्राहक औसत मासिक 5जी डाटा खपत बढ़कर 40 जीबी पहुंच गई। ?रिपोर्ट में कहा गया है कि 4जी और 5जी डाटा की खपत मिलकर पांच साल में 19.5 फीसदी की सालाना वृद्धि दर से बढ़कर 2024 में 27.5 जीबी पहुंच गई।रिपोर्ट के मुताबिक, 5जी फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) के निरंतर बढ़ने से डाटा खपत में वृद्धि हो रही है। एफडब्ल्यूए ग्राहक अब औसत यूजर्स की तुलना में 12 गुना अधिक डाटा का उपभोग कर रहे हैं।

## प्रणति नायक का विश्व कप में शानदार प्रदर्शन

**एजेंसी**

नई दिल्ली। प्रणति ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक से पहले काहिरा में

एफआईजी अप्लायन्सेज विश्वकप की महिला वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था।भारतीय जिमनास्ट प्रणति नायक ने तुर्की के अंताल्या में एफआईजी अप्लायन्सेज विश्व कप के क्वालिफिकेशन राउंड में तीसरा स्थान हासिल कर वॉल्ट फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। तोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली 29 वर्षीय प्रणति ने वॉल्ट क्वालिफिकेशन में 13.317 के कुल स्कोर के साथ फाइनल में जगह बनाई। वह जयला हैंग (13.783) और क्लेयर पीज (13.584) की अमेरिकी जोड़ी से पीछे रहीं।प्रणति के कोच अशोक कुमार मिश्रा ने कहा, 'प्रणति ने क्वालीफिकेशन में अच्छा प्रदर्शन किया और अगर वह फाइनल में इससे बेहतर प्रदर्शन करती है।

## यूथ क्लब तीन गोल से पराजित, इस स्ट्राइकर की हैट्रिक से लगातार दूसरी जीत

**एजेंसी**

नई दिल्ली। राष्ट्रीय खिलाड़ी शुभम पटेल ने खेले गए लीग मैच में हैट्रिक लगाई। जिला स्तरीय सब जूनियर बालक हॉकी प्रतियोगिता के चौथे मैच में यूथ क्लब को तीन गोल के अंतर से हराया। यह स्टार क्लब की लगातार दूसरी जीत है। इस जीत के साथ 3-0 से परास्त कर पूरे अंक हासिल किए। परमानंदपुर मिनी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में स्टार क्लब की टीम ने शुभम पटेल की अगुवाई में आक्रमण की शुरूआत की। खेल के आठवें मिनट में एकल प्रयास से शुभम पटेल ने गोल कर स्टार क्लब को 1-0 की बढ़त दिला दी। एक गोल से पीछे होने के बाद यूथ क्लब की टीम ने काउंटर अटैक किया। वही, स्टार क्लब की डिफेंस लाइन ने शानदार बचाव करते हुए हर हमले को बेकार कर दिया। हाफ टाइम होने से दो मिनट पहले मोनू प्रजापति के माइनस पास पर शुभम पटेल ने दर्शनीय गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में दोनों टीम ने धीमी शुरूआत की। खेल के 30वें मिनट में यूथ क्लब के रितिक वर्मा गोल करने से चूक गए। खेल खत्म होने से दो मिनट पहले शुभम पटेल ने

यूथ क्लब की डिफेंस लाइन गैप का लाभ उठाते हुए गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी करते हुए स्टार क्लब को 3-0 से आगे कर दिया। निर्णायक की भूमिका तनु और सोनू ने निभाई।चोलापुर ब्लॉक के अजगरा गांव में घुड़सवारी दौड़ में बिहार और पूर्वांचल के 50 से अधिक घोड़ों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में बिहार के मोतिहारी के उस्मान ने सर्वश्रेष्ठ दौड़ लगाकर पहला स्थान हासिल किया। मुख्य विजेता बिहार के मोतिहारी निवासी सैयद फरहान अहमद के उस्मान घोड़े को पहला स्थान, दूसरा मोतिहारी के एकता एक्सप्रेस ने जीता। प्रथम विजेता को साइकिल और दूसरे विजेता को मिक्सर दिया गया। सैयद फरहान ने बताया कि घोड़े की दौड़ प्रतियोगिता में 25 से अधिक दौड़ प्रतियोगिता उस्मान जीत चुका है। सिंधी नस्ल का घोड़ा है। इसे हर रोज तीन घंटे सेवा करते हैं। दौड़ में जौनपुर, प्रयागराज, गाजीपुर, चंदौली, आजमगढ़, मोतिहारी के घोड़ों ने प्रतिभाग किया।वसंत कन्या महाविद्यालय कमच्छा में चल रही एक सप्ताहिक वार्षिक खेल प्रतियोगिता के चौथे दिन का आयोजन अत्यंत उत्साह और प्रतिस्पर्धात्मक भावना के साथ संपन्न हुआ। इसमें 200 मीटर दौड़ में महिमा ने बाजी मारी। ताइक्वांडो में शालिनी विजेता बनीं। इसके अलावा खोखो, बैडमिंटन और कैरम प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

## क्रोएशिया ने क्वार्टर फाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराया

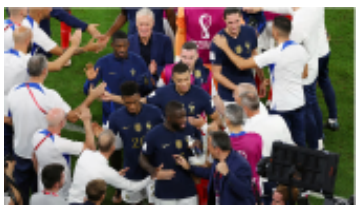

**एजेंसी**

नई दिल्ली। एंटे बुदिमिर ने गुरुवार को खेले गए मैच में 26वें मिनट में इवान पेरीसिक के क्रॉस पर क्रोएशिया को बढ़त दिलाई। पेरिसिक ने पहले हाफ के स्टॉपेज समय में बढ़त को दोगुना कर एम्बाप्पे की अपनी राष्ट्रीय टीम में छह महीने के बाद वापसी को फीका कर दिया।क्रोएशिया ने नेशंस लीग फुटबॉल टूनार्मेंट में उलटफेर करते हुए 2022 विश्व कप की उपविजेता टीम फ्रांस को क्वार्टर फाइनल के पहले चरण में 2-0 से हरा दिया। क्रोएशिया की टीम ने शानदार डिफेंस दिखाया और किलियन एम्बाप्पे और ओस्मान डेम्बेले की आक्रामक जोड़ी पर अंकुश लगाने में कामयाब रही।एंटे बुदिमिर ने गुरुवार को खेले गए मैच में 26वें मिनट में इवान पेरीसिक के क्रॉस पर क्रोएशिया को बढ़त दिलाई। पेरिसिक ने पहले हाफ के स्टॉपेज समय में बढ़त को दोगुना कर एम्बाप्पे की अपनी राष्ट्रीय टीम में छह महीने के बाद वापसी को फीका कर दिया। एम्बाप्पे ने पहले हाफ में कई बार डोमिनिक लिवाकोविच की परीक्षा ली लेकिन क्रोएशिया के गोलकीपर ने कुछ अच्छे बचाव करके उनके प्रयासों को विफल कर दिया। यह छह सितंबर को इटली से 3-1 की हार के बाद पहला अवसर था जबकि एम्बाप्पे फ्रांस की तरफ से खेल रहे थे। पहले चरण के अन्य क्वार्टरफाइनल मैचों में जर्मनी ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए इटली को 2-1 से हराया, गत चैंपियन स्पेन ने नीदरलैंड के खिलाफ 2-2 से ड्रा खेला और डेनमार्क ने पुर्तगाल को 1-0 से पराजित किया।

## पूर्व कप्तान वेंगसरकर और एडुल्जी को मिला लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार

**एजेंसी**

नई दिल्ली। इनके अलावा अजिंक्य रहाणे, यशस्वी जायसवाल और सरफराज खान को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।वे भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर और डायना एडुल्जी को गुरुवार को मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया। 1983 विश्व कप विजेता टीम के एक प्रमुख सदस्य, वेंगसरकर ने 10 टेस्ट और 18 एकदिवसीय मैचों में भारत की कप्तानी की। वह एमसीए के उपाध्यक्ष और बीसीसीआई की चयन समिति के अध्यक्ष भी रहे।लगभग 17 साल तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाली एडुल्जी ने भारत में महिला क्रिकेट की स्थापना और प्रसार में अग्रणी भूमिका निभाई।

## शुक्रवार को पूरे दिन बंद रहेगा लंदन का हीथ्रो हवाई अड्डा

**एजेंसी**

नई दिल्ली। ब्रिटेन का हीथ्रो हवाई अड्डा शुक्रवार को बंद रहेगा। दरअसल एक पावर स्टेशन में भीषण आग लगने के चलते हीथ्रो हवाई अड्डे और इसके आसपास के हजारों घरों में शुक्रवार को बिजली गुल रहेगी। पश्चिमी लंदन के एक पावर स्टेशन में लगी आग के बाद आसपास के 150 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। हवाई अड्डे ने एक बयान जारी कर कहा कि 'यात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमारे पास शुक्रवार को हवाई अड्डे को बंद करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था।

## एआई टूल 'ग्रोक' के विवादित कंटेंट के लिए एक्स ही जिम्मेदार

**एजेंसी**

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) अपने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल ग्रोक की तरफ से बनाए गए सभी कंटेंट के लिए जिम्मेदार हो सकता है। एक सरकारी सूत्र के अनुसार, इस मामले पर जल्द ही कानूनी राय तय की जाएगी। हाल ही में, कुछ उपयोगकर्ताओं ने एक्स पर भारतीय नेताओं से जुड़े सवाल ग्रोक से पूछे, जिनके जवाब कई बार विवादास्पद पाए गए। सूत्र ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स से इस बारे में बातचीत कर रहा है ताकि इसके काम करने के तरीके को समझा और आंका जा सके।इस बीच, सरकारी सूत्रों ने दावा किया कि एक्स या ग्रोक को लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बड़ी जानकारी दी है। मंत्रालय ने कहा है कि उसने ग्रोक या एक्स को कोई नोटिस नहीं भेजा है। मंत्रालय एक्स और ग्रोक के साथ बातचीत कर रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारी एक्स के अधिकारियों से बातचीत कर रहे हैं और जांच कर रहे हैं कि किस स्तर पर भारतीय कानून का उल्लंघन किया गया है।

## ब्राह्मण महिला समाज द्वारा होली मिलन समारोह पर प्रेम और एकता का संदेश

गोरखपुर। ब्राह्मण महिला समिति के तत्वाधान में मातृ शक्तियों द्वारा राम जानकीनगर डॉक्टर रिचा पांडे के आवास पर होली मिलन एवं गीत संगीत का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डॉक्टर रिचा पांडे ने बताया कि होली का त्योहार सिर्फ रंगों का त्यौहार नहीं है, बल्कि प्रेम,उल्लास और भाईचारे का प्रतीक है।हमें इसे पर्यावरण की अनुकूल और सौहार्द पूर्ण तरीके से मनाना चाहिए।नफरत को मिटाना और प्यार के रंग बिखेरना होली के त्यौहार का मुख्य संदेश है। रंगों का यह उत्सव हमे प्रेम, खुशी और सद्भाव का संदेश देता है। इस अवसर पर सर्वप्रथम भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन किया गया। तत्पश्चात मातृ शक्तियों ने एक दूसरे को अबीर, गुलाल लगाया गया तथा गीत, संगीत प्रस्तुत किया गया। वरिष्ठ सदस्य श्रीमती दयारानी मिश्रा ने बताया कि हम सभी बहनें इस तरह की कार्यक्रम का आयोजन करती रहती हैं ,जिससे हमारे आने वाली पीढ़ियां हमारी परंपरा और विरासत को जान सके और इसे संजो कर रख सके ।हम लोग इस समिति के द्वारा गरीब, निर्धन ,असहाय बच्चों को भी मदद करते हैं ।उन्हें निशुल्क किताब ,कॉपी समय-समय पर वितरित करते रहते हैं ।विभिन्न त्योहारों के अवसर पर गरीब बच्चों में फल , मिष्ठान, कपड़े भी हम अपनी महिला सदस्यों के द्वारा उनके सहयोग से वितरित करते रहते हैं ।इस अवसर पर नीलम दुबे ,सीमा पाण्डेय ,संगीता मिश्रा, सुनीता पाण्डेय ,रंजना मिश्रा, दीपावली शर्मा, कात्यायनी पाण्डेय,पूनम मिश्रा, सुषमा त्रिपाठी, सुनीता त्रिपाठी, रीना मिश्रा, दयारानी मिश्रा, दीपशिखा पाण्डेय,ममता पाण्डेय आदि बहने उपस्थित थी। कार्यक्रम के अंत में सभी बहनों को मिष्ठान खिलाकर सबका मुंह मीठा कराया तथा गीत, संगीत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी बहनों का आभार जिला अध्यक्ष डॉक्टर रिचा पांडे ने किया।

## वरिष्ठ समाज सेवी अनूप यादव के नेतृत्व में धूमधाम से मनाई गई डॉ राम मनोहर लोहिया की जयंती

गोरखपुर। गोरखपुर में दिनांक 23 मार्च दिन रविवार को वरिष्ठ समाजसेवी अनूप यादव के नेतृत्व में समाजवाद के प्रणेता डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत में अनूप यादव ने डॉ. राम मनोहर लोहिया के चित्र पर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात अपने संबोधन में उन्होंने कहा स्वर्गीय राम मनोहर लोहिया सदैव सत्ता के अहंकार और अन्याय के विरुद्ध सतत संघर्षशील रहे। हमें उनके बताए रास्ते पर चलकर उनके सपनों को साकार करना होगा। श्री यादव ने कहा लोहिया जी कहा करते थे भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में समानता का अधिकार हो उन्होंने सप्त क्रांति के सिद्धांत का भी जिक्र किया था जिसमें स्त्री पुरुष की समानता की बात कही थी चमड़ी के रंग के आधार पर विदेशी गुलामी, निजी पूंजी, निजी जीवन,अस्त्र-शस्त्र के खिलाफ उन्होंने सत्याग्रह भी किया। लोहिया जी अक्सर भारतीय किसानो के बारे में कहा करते थे उन्होंने एक मजबूत भारतीय किसान संगठन का गठन किया था,इसी तौर पर भारतीय मजदूर का भी गठन किया। इसी के बदौलत किसान मजदूर और भारत के अंतिम व्यक्ति के लिए उन्होंने अपनी एक सकारात्मक सोच का दिशा दिया। लोहिया जी का आज भी कृत प्रासंगिक है उनके विचारों को हम भारतवासियो को उनके विचारों को अमल कायम रहना चाहिए उनके सिद्धांत को मानते हुए आज गर्व महसूस होता है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने उनके रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

# समाज को जागरूक करने का कार्य करें पत्रकार : डा .अरविन्द राय

गोरखपुर। बेलीपार ,उत्तर प्रदेश,भारत को आजाद कराने में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वर्तमान परिवेश में पत्रकारिता चुनौतीपूर्ण कार्य है। समाज की बेहतरी के लिए तथा उन्हें जागरूक करने का कार्य पत्रकार ही कर सकता है। यह बातें बेलीपार में स्थित देव मेमोरियल पब्लिक स्कूल के अटल सभागार में पत्रकारों द्वारा आयोजित वर्तमान परिवेश में ग्रामीण पत्रकारिता:चुनौती व संभावनाएं विषय पर आयोजित संगोष्ठी एवं गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार डा.अरविंद राय ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि दो दशक पूर्व की पत्रकारिता तथा वर्तमान समय में लोगों के बीच खबरों के प्रति विश्वास का संकट उत्पन्न हुआ है। खबरों की प्रमाणिकता ही पत्रकार की जिम्मेदारी होती है। गोरखपुर जर्नलिस्ट प्रेस क्लब के नव निर्वाचित अध्यक्ष रितेश मिश्र ने कहा कि ग्रामीण पत्रकार जो जनता के प्रति संवेदनशील होने के कारण इस क्षेत्र में आये हैं उन्हें इसे एक पैशन के रूप में लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के पत्रकारों को इसे आय का जरिया नहीं बल्कि समाज सेवा का माध्यम बनाना चाहिए। ग्रामीण पत्रकारों को अपने क्षेत्र के विभिन्न सांस्कृतिक एवं सामाजिक बिंदुओं पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए।प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष भूपेन्द्र द्विवेदी ने कहा कि पत्रकारों को निष्पक्ष होकर समाचार लिखना चाहिए।संगोष्ठी को पूर्वांचल पत्रकार एसोसिएशन के संयोजक जेपी गुप्ता एवं इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सेराज अहमद कुरैशी ने संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाले पत्रकारों को अक्सर सुरक्षा संबंधी खतरों का सामना करना पड़ता है। जिसके लिए पत्रकार संगठनों को एकजुट होकर काम करना चाहिए। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं स्वागत से हुआ। संचालन राज नारायण त्रिपाठी व अवनीश त्रिपाठी ने किया।इस दौरान प्रमुख रूप से पंकज श्रीवास्तव,अंगद प्रजापति , प्रिन्स पांडेय,विनय कुमार सिंह, परमात्मा राम त्रिपाठी, मुन्ना प्रसाद त्रिपाठी ,राम प्रसाद यादव, विजय मोदनवाल, संदीप त्रिपाठी, इंद्रजीत ओझा ,मनोज कुमार शुक्ला, सौरभ पांडेय, मनोज यादव, दीपकत्रिपाठी, अजय मोदनवाल, विपिन पांडेय , संदीप सिंह,सचिन चौधरी, देवव्रत पांडेय,दुर्गा शंकर पांडेय, अनिल शुक्ला, हरि सेवक त्रिपाठी, संजय उर्फ लारा, गौतम पांडेय, प्रमोद चौरसिया, अन्नपूर्णा पांडेय ,सूर्यकांत पांडेय, सतीश मणि त्रिपाठी, दीपक जायसवाल, संतोष निषाद, विकास मौर्य, राम प्रसाद निषाद सहित सहित अनेक लोगों की उपस्थिति रही।

## विश्व जल दिवस के उपलक्ष में जागरूकता कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। आज नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग के तत्वाधान में विश्व जल दिवस के उपलक्ष में जागरूकता कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी के कमांडिंग आफिसर कर्नल दीपक कुमार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रशासनिक अधिकारी मेजर दिव्या शर्मा उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने की। महाविद्यालय की एन.सी.सी. अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी को 33 वर्षों की असाधारण सेवा, सार्थक कर्तव्य निष्ठा, नेतृत्व और कार्य दक्षता का परिचय देने तथा सेना में अन्य लोगों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करने पर सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी का प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। मेजर (डॉ.) सोढ़ी की उपलब्धि इस मायने में अनूठी है कि वह पहली और एकमात्र एन.सी.सी. अधिकारी हैं।

जिन्हें इस प्रतिष्ठित सम्मान से विभूषित किया गया है। इस अवसर पर कर्नल दीपक कुमार ने कॉलेज की एनसीसी गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए कैडेट्स को सदैव लक्ष्य केन्द्रित होकर आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। मेजर सोढ़ी को उनकी उत्कृष्ट कर्तव्य निष्ठा के लिए बधाई देते हुए एनसीसी बटालियन, मुख्यालय और निदेशालय के लिए एक विशिष्ट उपलब्धि बताया। प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने महाविद्यालय की एनसीसी विंग को विद्यालय के लिए अत्यंत उपयोगी संगठन बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की की महाविद्यालय के लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ.) सोढ़ी को यह अति विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त हुई है उन्होंने मेजर डॉ मनमीत कौर सोढ़ी के समर्पण भाव की सराहना करते हुए जल के महत्व को भी समझने के लिए प्रेरित किया और इस बात पर भी बल दिया कि हमें प्राकृतिक स्रोतों का अत्यधिक दोहन नहीं करना चाहिए और उसके संरक्षण का सदैव प्रयास करना चाहिए । जल है तो कल है।

# भागीरथी सांस्कृतिक मंच के तत्वाधान में होली मिलन एवं काव्य पाठ का आयोजन

गोरखपुर। भागीरथी सांस्कृतिक मंच, गोरखपुर एवं एम. जी.पी.जी.कालेज , गोरखपुर के संयुक्त तत्वावधान में, अखिल भारतीय सर्वजन पार्टी के सौजन्य से होली मिलन समारोह के अंतर्गत "काव्योंत्सव" का आयोजन विद्यालय के सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, अरविन्द शर्मा, पूर्व सहायक आयुक्त रजिस्ट्रेशन एवं निबंधन, बलिया विशिष्ट अतिथि - श्याम नारायण चौबे, राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय सर्वजन पार्टी एवं प्रो.अनिल कुमार सिंह प्राचार्य,एम.जी.पी.जी.कालेज, गोरखपुर रहें।पूरे कार्यक्रम की अध्यक्षता - वरिष्ठ कवि अरुण "सदाबहार" संस्थापक अध्यक्ष, भागीरथी सांस्कृतिक मंच,गोरखपुर ने की। पूरे कार्यक्रम का संचालन मृत्युंजय नवल एवं डा.सरिता सिंह ने संयुक्त रूप से किया।कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन अतिथियों के द्वारा किया गया।तत्पश्चात गृह विज्ञान की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।काव्योंत्सव की अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार वीरेन्द्र मिश्र "विरही" ने की।वरिष्ठ कवि आचार्य मुकेश श्रीवास्तव ने फागुन की बात प्रिय के माध्यम से की -सपने मेरे हो गये सारे सतरंगी, फागुन का त्यौहार तुम्हारी आंखों में। चाय की प्याली रखकर बैठकों सामने तो,पढ़ लूं मैं अखबार तुम्हारी आंखों में।वरिष्ठ गीतकार सतीश "अकेला" ने होली पर समरसता की बात इन शब्दों में की -आओं मिल जाये गले इस होली में,छोड़ दे शिकवे शिकायत इस होली में।मंचों की सुप्रसिद्ध कवयित्री डा.सत्यमवदा शर्मा ने दिल मिलाने की बात की -बेरुखी में खुशनुमा लम्हें न जाया कीजिए,भूलकर नफरत की बातें दिल मिलाया कीजिए।भोजपुरी के प्रसिद्ध गीतकार सुभाष चन्द्र यादव ने जिंदगी की बात इस तरह की -निगाहों में जब तक उजाले रहेंगे।तुम्हें जिंदगी हम सम्भाले रहेंगे।काव्योंत्सव कीअध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ गीतकार वीरेन्द्र मिश्र "बिरही"ने प्रीत को इस तरह परिभाषित किया -सराबोर कर देंगे जग को, हम धरती पर प्रीत लिखेंगे।कहीं न कोई जगह बचेंगी,हम पत्थर पर गीत लिखेंगे।अन्य जिन कवियों ने काव्य पाठ किया उनके नाम है - श्रीमती वंदना सूर्यवंशी,डा.सरिता सिंह एवं सर्वश्री अरविन्द अकेला, मृत्युंजय कुमार "नवल" , बृजेश राय, डा.सत्य नारायण 'पथिक' आदि।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ कवि अरुण सदाबहार ने कहा - जो करना है कहना मत तुम,जुल्म मगर सहना मत तुम।मुख्य अतिथि ,अरविंद शर्मा ने कहा इन कवियों को सुनने के बाद जीवन दर्शन का सही अर्थ प्रकट हुआ।अखिल भारतीय सर्वजन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम नारायण चौबे ने कहा - होली मिलन समारोह समाज का सनातन संस्कृति का एक अंग है।प्राचार्य,एम.जी.पी.जी कालेज गोरखपुर के प्रो. अनिल कुमार सिंह ने कहा ,होली के उपरांत किये जाने वाले समारोह हमारी प्राचीन परंपरा का निर्वहन है,जो सामाजिकता का संदेश देते हैं।इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के प्रमुख श्री सुभाष चन्द्र विश्वकर्मा, गृहविज्ञान विभाग की डा.नीलम वैश्य,कार्यालय प्रमुख विनोद कुमार एवं विद्यालय परिवार के तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे,तथा निरंकार शुक्ल साकार,राम समुझ सांवरा,बिंदु चौहान, सर्वांग हास्पिटल के प्रमुख डा.ए.पी गुप्ता, पूर्वांचल राज्य ब्यूरो सुनील मणि त्रिपाठी,परफेक्ट मिशन ब्यूरो सुनील कुमार पाण्डेय एवं आई.एम.ए. अध्यक्ष डा.प्रतिभा गुप्ता उपस्थित रहीं।अंत में सभी के प्रति आभार व्यक्त मंच के प्रबंधक डा.सत्य नारायण 'पथिक' ने किया।

# दिव्य शाकद्वीपीय ब्राह्मण समिति, गोरखपुर का होली मिलन एवं वैवाहिक परिचय सम्मेलन का भव्य आयोजन

गोरखपुर। दिव्य शाकद्वीपीय ब्राह्मण समिति, का 'होली मिलन समारोह एवं वैवाहिक परिचय सम्मलेन' आज स्थानीय सिविल लाइंस स्थित गोकुल अतिथि भवन में आयोजित किया गया। समारोह को प्रमुख रूप से दो सत्रों में आयोजित किया गया। जिसके मुख्य आकर्षण के रूप में इसके प्रथम सत्र के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रतिभाग कर रहे व विभिन्न जिलों से आगन्तुक स्वजनों का अभिनन्दन, समस्त का परिचय, विशेषतया वैवाहिक परिचय कराया गया। समिति की वेबसाइट dsbsindia.com माध्यम से समाज के विवाह योग्य युवक युवतियों का वैवाहिक विवरण प्रदर्शित किया गया जिससे अपने पाल्यों के लिए सुयोग्य वर कन्या की तलाश में सुदूर क्षेत्र से आगंतुक बंधुओं ने इस प्रयास का लाभ उठाया। मध्यांतर उपरांत द्वितीय सत्र में काव्य पाठ/हास्य व्यंग्य, मनोविनोदपूर्ण विशेष आकर्षक गतिविधियाँ जैसे गायन, वादन, नृत्य की एकल व सामूहिक प्रस्तुतियाँ, बच्चों एवं विवाहित युगल का आकर्षक परिधान में मंच प्रस्तुतियां, गीत अंताक्षरी के साथ साथ फूलों की होली संग संगीतमय होली मिलन एवं समारोह के अंत में स्नेह भोज का आयोजन किया गया।सांस्कृतिक गतिविधियों में पूजा मिश्रा, प्राख्या मिश्रा, ज्योति मिश्रा, अनुष्का मिश्रा, जस्सी मिश्रा, नीलम मिश्रा, सुधा पाण्डेय, सूरज मिश्र 'व्यास', आचार्य ओम प्रकाश पाण्डेय, कृष्णा पाण्डेय आदि ने विविध सांस्कृतिक मनमोहक प्रस्तुतियां दी। विशिष्ट संरक्षक सदस्यों में पर्व जनपद न्यायाधीश जी०के० पांडेय, डा० गोविंद पाण्डेय, डा० अशोक पाण्डेय, अवधेश पाण्डेय, रामाधार पाण्डेय, अशोक मिश्र,ओम प्रकाश पाण्डेय, तथा संगठन के पदाधिकारियों व सक्रिय सहयोगी सदस्यीं में अध्यक्ष शरद चन्द्र पाण्डेय, उपाध्यक्ष इं० अरविंद पाठक, महामत्री इं० अनन्त मिश्र, संगठन मंत्री इं० रजनीश मिश्र, संयुक्त मंत्री अशोक पाण्डेय, कोषाध्यक्ष अमर मिश्र, सांस्कृतिक व प्रचार प्रसार मंत्री सर्वेश्वरी मिश्र, विधिक कार्य मंत्री अनिल मिश्र तथा कार्यकारिणी सदस्यों में डा० आशुतोष मिश्र, कृष्ण कुमार मिश्र, अभय पाण्डेय, डा० अरविंद पाण्डेय, अशोक पाठक आदि सम्मानित सदस्य उपस्थित थे।महामंत्री अनन्त मिश्र ने सभी उपस्थित उपस्थित स्वजनों को समारोह में प्रतिभाग करने हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया। सम्मेलन की अध्यक्षता शरद चन्द्र पाण्डेय व संचालन उपाध्यक्ष अरविंद पाठक ने किया।

# उत्तर प्रदेश राज्य बारी संघ गोरखपुर ने मनाया होली मिलन समारोह

गोरखपुर। उ० प्र० राज्य बारी संघ गोरखपुर के तत्वाधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी होली मिलन समारोह दिनांक 23-03-2025 को बड़े ही हर्ष व उत्साह के साथ जिला अधिवक्ता एसोसिएशन सभागार कलेक्ट्री कचहरी गोरखपुर में मनाया गया जिसकी अध्यक्षता तथा संचालन परमेश्वर प्रसाद एडवोकेर जिलाध्यक्ष, बतौर मुख्य अतिथि डॉ० हरेराम बारी ने सम्बोधित करते हुए सभी को होली की शुभकामनायें देते हुए कहा कि बारी जाति अत्यन्त प्राचीन जाति है। बारी जाति के लोग कर्मठ, वीर, साहसी, ईमानदार व स्वामीभक्त रहे। और आज भी है। वीर शिरोमणि रूपन बारी जैसे अनेको वीर योद्धा व विदूतजन रहे है जिसका साक्षी इतिहास है। अगर बारी जाति के बोग संगठित हो जाये तो इनकी संख्या किसी भी जाति से कम नहीं है। बारी समाज के लोगों को और भी शिक्षित व संगठित होकर अपनी राजनीतिक पकड़ बनाने की जरूरत है। अन्य यक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए संगठन की मजबूती तथा शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की बात कही। कार्यक्रम में उपस्थित लोग होली गीतों पर झूम उठे एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर फूलों की होली खेली तथा महिलायें भी जून सूम कर होली खेली। आज के समारोह में पूर्व पार्षद रामनरायन बारी, राधेश्याम रावत पार्षद, राजेन्द्र प्रसाद बारी, प्रेम शंकर बारी, गजानन्द बारी, रामवृक्ष बारी, सीताराम बारी, कृष्ण कुमार बारी, दिलीप कुमार बारी, त्रिलोकी नाथ बारी, ओम प्रकाश रावत, अनन्त रावत एडवोकेट, राजेश कुमार बारी संजय कुमार बारी, उदयभान रावत एडवोकेट, राधेश्याम रावत एडवोकेट व दूर दराज से आये स्वजातीय बन्धु व अन्य गणमान्य उपस्थित रहें।

# बच्चों द्वारा आर्ट के माध्यम से अपने देश का नाम रोशन किया

गोरखपुर । लक्ष्मी चिल्ड्रेन एकेडमी नारायणपुर नंबर 2 में गुलरिया में लक्ष्मी चिल्ड्रेन एकेडमी के बच्चों द्वारा कला एवं विज्ञान प्रदर्शनी लगाया गया है जिसका उदघाटन मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय विद्यालय प्रबंधक संघ के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोस्वामी जी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश महामंत्री विनीत मिश्रा एवं विद्यालय के चैयरमेन नदीम अली जी ने किया तथा साथ ही विद्यालय के कंट्रोल रूम का भी उदघाटन किया गया विद्यालय के प्रबंधक धर्मेंद्र निषाद जी द्वारा सराहनीय कार्य जिन्होंने अपने गांव के गरीब बच्चों के लिए विद्यालय खोला और उन विद्यालयों के बच्चों में प्रतिभाओं का अंबार भर दिया इन बच्चों के प्रतिभाओं को देखकर ऐसा लगा कि जैसा कि सैयद नदीम अली जी ने और विद्यालय के प्रबंधक ने जो प्रैंक से विद्यालय खोला है कि हम अपने गांव के इन गरीब बच्चों को हर प्रतिभाओं से निपुण करेंगे तथा अपने गांव के प्रत्येक बच्चों को समाज में उस ऊंचाइयों तक पहुंच जाएंगे जहां पर पहुंच कर हमारे गांव टोलें का नाम समाज में सुनहरे अक्षर से लिखा जाए उनकी इस कार्यों में विद्यालय की अध्यापिकाओं की भी सराहनीय भूमिका है। चिफ गेस्ट के रूप में डा0 गोस्वामी गौरव, विजय आनन्द, दानिश अली, गौरव गुप्ता, विवेक चैहान, शशांक सिंह, सुरेश सोनकर,आदी गण मैजुद रहे।

# लेखक व्रजेंद्र गौड़ की सफल यात्रा फिल्म चाइना टाउन से कटी पतंग तक

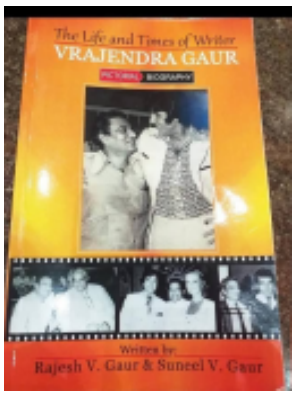


मुंबई। व्रजेंद्र गौड़ रेडियो लखनऊ पर नाटक लिखा करते थे। जब उन्हें अभिनेता मोतीलाल ने बॉम्बे बुलाया, गौड़ जी के नाटक ढाई लाख से मोतीलाल बहुत प्रभावित थे। उन्होंने गौड़ को अपनी फिल्म सावन लिखने को कहा यह फिल्म हिट हुई और इसके बाद गौड़ जी की बहुत सी फिल्म्स उस दौर की सफल रहीं जैसे संग्राम, परिणीता, कफिला, शमशीर जैसी अन्य सुपरहिट अशोक कुमार अभिनीत फिल्में आईं। सितारों से आगे, हावड़ा ब्रिज आदि। ३५ साल तक व्रजेंद्र गौड़ फिल्म उद्योग का हिस्सा थे, जिसमें उन्होंने बिमल रॉय की परिणीता, संग्राम, चाइना टाउन, मंजिल, तीन देवियां, हावड़ा ब्रिज, सरस्वतीचंद्र, शमीर्ली, लाल पत्थर, कटि पतंग, अनुराग अंखियों के झरोकों से, द ग्रेट गैम्बलर, दुल्हन वही जो पिया मन भाये, आदि सफल फिल्में लिखीं फिल्म दुल्हन वही जो पिया मन भये के लिए उन्होंने सर्वश्रेष्ठ पटकथा और संवाद के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार जीता। गौड़ जी ने "कस्तूरी" नामक एक फिल्म का भी निर्देशन किया था जिसमें फिल्म निमार्ता शक्ति सामंत उनके सहायक थे। कस्तूरी के अच्छा करने के बावजूद गौड़ जी ने फिर से एक भी फिल्म का निर्देशन नहीं किया .गौड़ ने कस्तूरी के बाद मिले निर्देशन के प्रस्तावों को शक्ति को सौंप दिया। जो हमेशा कहते थे की उनकी फिल्मी यात्रा और सफलता के लिए व्रजेंद्र गौड़ जिम्मेदार हैं। व्रजेंद्र गौड़ की देव आनंद से बहुत अच्छी दोस्ती हो गई और इसलिए गौड़ ने देव आनंद की कई फिल्में जैसे की 'जाली नोट', 'मंजिल', 'बारिश', 'सरहद', 'तीन देवियां', 'बात एक रात की' वारंट, आदि लिखीं देव आनंद ने एक बार कहा था, "कई लेखक हैं लेकिन गौड़ एक दुर्लभ प्रतिबा था गौड़ ने मेरी बहुत सी फिल्में लिखीं जो सफल हुईं . व्रजेंद्र गौड़ मेरा प्यारा दोस्त था और एक महान लेखक अभिनेता दिलीप कुमार कहते हैं "व्रजेंद्र गौड़ मेरे बहुत प्यारे दोस्त थे जिन्का निधन कम उमर में हो गया व्रजेंद्र गौड़ भाई लेखकों में एक असली हीरा थे। अमिताभ बच्चन जी कहते हैं की गौड़ साहब के निधन से फिल्म इंडस्ट्री को बड़ा झटका लगा.वह मेरे करीबी दोस्त थे और में गौड़ साहब की बहुत इज्जत करता हूँ . अब ऐसे लेखक नहीं है इस लिए फिल्मों का स्तर गिर गया है।

# समाजवादी पार्टी कार्यालय गोरखपुर में मनाया गया डाक्टर राममनोहर लोहिया की जयंती

गोरखपुर। महान समाजवादी चिंतक विचारक स्वतन्त्रता सेनानी डाक्टर राममनोहर लोहिया की जयंती सपा के बेतियाहाता स्थित कार्यालय पर जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम की अध्यक्षता में मनाई गई संचालन महानगर अध्यक्ष शब्बीर कुरैशी व जिला महासचिव रामनाथ यादव ने किया नेताओं व कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम ने कहा कि महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रकाण्ड विद्वान,मौलिक चिंतक,लोकप्रिय समाजवादी पुरोधा डॉक्टर राम मनोहर लोहिया सामाजिक न्याय, समानता और सशक्त लोकतंत्र के प्रहरी रहे डॉ.लोहिया ने ताउम्र गरीबों, किसानों, मजदूरों और वंचितों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उनका विचार और उनकी क्रांतिकारी सोच आज भी हमें अन्याय और शोषण के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा देती है।डॉ राम मनोहर लोहिया ने हम लोगों को सप्त क्रांति का आंदोलन, समाजवादी रास्ता, अन्याय के खिलाफ लड़ने का आंदोलन दिया, उन्हें हम याद करते हैं और उन्हीं के रास्ते पर चलते हैं। तथा आज ही के दिन क्रांतिकारी भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु को फांसी दी गई, उनको भी हम समाजवादी याद करते हैं।इस दौरान प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम, शब्बीर कुरैशी रामनाथ यादव अवधेश यादव रजनीश यादव नगीना प्रसाद साहनी पूर्व विधायक विजय बहादुर यादव रूपावती बेलदार उदयभान तिवारी इन्द्रदेव पासवान मिर्जा कदीर बेग कबीर आलम रामजतन यादव दयाशंकर निषाद गिरीश यादव हरी यादव मैना भाई सुरेंद्र निषाद बृजनाथ मौर्य संजय पहलवान हीरालाल यादव रवि यादव अखिलेश यादव नीरज शाही राघवेंद्र तिवारी राजू अजय कन्नौजिया धनंजय सिंह सैथवार शिव दुबे शशिकांत दुबे मुरारी लाल मौर्या सन्तोष यादव पप्पू यादव महेंद्र तिवारी अशोक चौधरी जीए लाल पासवान अनारकली मौर्य सुशीला भारती सुरेंद्र मौर्य सुनील यादव मनीष यादव राहुल यादव सच्चिदानंद यादव जितेंद्र श्रीवास्तव हरेंद्र यादव खरभान यादव सन्तोष मौर्य रफीउल्लाह सलमानी सुरेंद्र यादव श्रीराम यादव श्रीकांत यादव बीएल साहनी जावेद खान इमरान खान लालजी यादव कंचन श्रीवास्तव अमर अग्रहरि गणेश प्रजापति स्वतन्त्रत सिंह यादव रौनक श्रीवास्तव शैलेन्द्र यादव शिवशंकर गौड़ अर्जून यादव रामभजन बेलदार फिरदौस आलम अभिषेक अनिल कुमार राम आशीष यादव अशोक यादव सुनील यादव अनिल भारती मोहम्मद अली विनोद यादव रामहित परशुराम संजय मनोज उपेन्द्र गणेश आफताब आदि मौजूद रहे।

# क्षेत्रीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता 2025 - ग्राम माधोपुर में रीड वेलफेयर सोसाइटी और हॉक स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित

गोरखपुर। रीड वेलफेयर सोसाइटी एवं हॉक स्पोर्ट्स द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन प्राथमिक विद्यालय माधोपुर ब्लॉक पिपराइच के प्रांगण में किया गया। जिसमें प्राइमरी और जूनियर वर्ग के क्षेत्रीय बच्चों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में प्राइमरी वर्ग के कक्षा -1 कि विद्यार्थी अंशिका सिंह ने 90 % के साथ सर्वाधिक अंक प्राप्त किया और उन्हें ओवरऑल प्रथम विजेता घोषित किया गया। उन्हें पुरस्कार स्वरूप एक चमचमाती हुई साइकिल दिया गया। द्वितीय स्थान पर प्रियांशु सिंह और तृतीय स्थान पर अंशिका विश्वकर्मा रही। कक्षा - 2 में प्रथम स्थान पर आर्यन निषाद और द्वितीय स्थान पर भूमि गुप्ता,तृतीय स्थान पर संस्कार सिंह रहे। कक्षा - 3 में प्रथम स्थान पर श्रेया सिंह, द्वितीय स्थान पर साहिल, और तृतीय स्थान पर हिमांशु निषाद रहे। कक्षा - 4 में प्रथम स्थान पर अमृता सिंह, द्वितीय स्थान पर आयूष कुमार सिंह,और तृतीय स्थान पर खुशी सिंह रही। कक्षा - 5 में प्रथम स्थान पर आलोक चौहान, द्वितीय स्थान पर संगम पासवान, और तृतीय स्थान पर अंशुल विश्वकर्मा रहे और जूनियर वर्ग के कक्षा - 6 में प्रथम स्थान पर अनुज साहनी, द्वितीय स्थान पर आयुष कुमार गुप्ता और तृतीय स्थान पर दिव्यांशु सिंह रहे। कक्षा - 7 में प्रथम स्थान पर विराट गुप्ता, द्वितीय स्थान पर अंश गुप्ता और तृतीय स्थान पर आयुष सिंह रहे। कक्षा - 8 में प्रथम स्थान पर ऋषभ सिंह, द्वितीय स्थान पर दिवाकर पाल और तृतीय स्थान पर अर्नव कुमार रहे। मुख्य अतिथि श्री अनुराग सिंह जी ( सी.ओ. चौरी चौरा ), ने इस कार्यक्रम में प्रतिभा कर रहे विद्यार्थियों का मनोबल और उत्साह बढ़ाया और उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य की शुभकामनाएं दिया। विशिष्ट अतिथि श्री अखिलेश तिवारी जी ( अध्यापक ), श्री महेंद्र तिवारी जी, रामदुलारे विश्वकर्मा जी, श्रीमती निर्मला पासवान जी ( पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष गोरखपुर ), श्री उमेश सिंह जी ( ग्राम प्रधान ), रामबरन पासवान जी, रामसनेही पासवान जी, अंगद सिंह जी, और रीड वेलफेयर सोसाइटी के सदस्य गण अंकित गौंड, गजेंद्र सिंह, भोले सिंह, शैलेश सिंह, उज्जवल सिंह,संदीप सिंह, विशंभर सिंह, अंकिता सिंह, सुमन भास्कर, पुनीत वर्मा, आदि सदस्यगण उपस्थित रहे। अजीज अली ( अध्यक्ष - रीड वेलफेयर सोसाइटी ) और प्रभात गौंड ( ऑनर एंड फाउंडर - हॉक स्पोर्ट्स ) ने सभी अतिथियों के प्रति आभार प्रकट किया और सभी विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दिया।

# Baizuddin Inquilab made electronic police his career, he is serving humanity by keeping fast in the scorching sun

## Guru Ramvriksh Yadav's first duty for public service - Baizuddin

**(Pawan Kumar Gupta)**

Gorakhpur. In the state of India, the responsibility of law and order lies with the police. Apart from this, the traffic police or company in the supermarket is also run by the police. The work of control is not easy. Police personnel working in every season can see some people with their workload and challenging work. But there is also a police jawan in Gorakhpur, who does this work with full energy and passion. People recognize this mechanic as 'Smart Traffic Police Man'. The name of the phrase is Photographer. However, the video of Bakhoot Sadin Research's interesting style of working is always seen on social media. Where even while shaking hands with people with love, he gets chocolates and bouquets of flowers. Azharuddin Researcher made the work interesting These religious rituals of Gorakhpur, which have become fanatic on social media, are known for their unique style. At many big establishments including Mohaddipur, Padleganj, the bastard material can be seen being broken into huge pieces in a very interesting way. While the city residents like the way of re-operating the wheelbarrow system so much that they do not forget to share the video of the Wachicuxuddin Researcher. People say that the unique way of working of the researcher Jobu Saddin proves that no work is boring.““By the way, Laixu Saddin Researcher has been honored with many documents before.““Tell about 2 years of hard work and dedication towards work that he has been awarded this honor. He is feeling very proud of it. The lawyer of Wazir Waziruddin Aidin can be seen doing duty mostly on the posters of Mohaddipur and Padleganj, he always remains in the discussion because his ways of doing duty are even more different and unique. Like Ranjit Singh of the architecture library in South India, Bhojuddin researcher in Gorakhpur is seen controlling the temple in a dancing style. From the road to the passerby, when Bastu Sadin Researcher is seen controlling chocolate in this style, he fails to become a superstar and whoever sees his style gets killed. Often a crowd of people gathers to see him. Many people are seen taking selfies with him on mobile phones.““He also looks for help to the destitute and the magicians-Bazuddin Wherever his Bastu Sadin researcher is associated with his respective responsibilities towards human service and service of the unrighteous. During duty, he was seen helping the helpless and religious people many times. During the situation of terrible traffic jam, it was also seen that by getting the ambulance, fire brigade, dial 112 society to clear the way with immediate effect, Sakhuddeen has given a name to himself as well as Gorakh in Uttar Pradesh with his true dedication and credibility towards the work of education.““Fulfilling the duty of uniform and Ramzan together is a challenge for Sultanpur““The month of Ramzan, which is considered the holiest month in Islam, is going on. In this month of Ramzan, Muslims keep fast i.e. Roza and worship Allah with intensity. According to Islam, Ramzan starts after seeing the moon.““It is said about the month of Ramzan that if any fasting person will get 70 times more punishment in this holy month and if he does good work, he will get 70 times more reward.““By reading Taraweeh in the month of Ramzan, the soul of a person becomes pure. Fasting in the month of Ramzan is of great importance. “It is not everyone's cup of tea to keep fast in this month of Ramzan and operate the traffic system in a halt amid the scorching heat.““Smart traffic police man Bastu Saddin has fulfilled his duty of both job and regalia with Siddhartha and he keeps fast while being unemployed and bearing hunger and thirst. Your responsibility is somewhat different. Because for example, you are running in merchant markets whistling in the scorching heat. In the scorching heat, you do get to see the picture of a pond of water while getting the jam-packed congregation cleared, but he performs his responsibility with patience and laughter in every situation. Despite facing these hard reinforcings, he does not turn away from fasting. Bazakhuddin's lawyer says that this is the effect of worship that he did this for months in the resume and never felt any trouble. I may or may not have got proper rest at night but I never felt tired in Ghaziabad.““My job as a traffic policeman lasted for 2 years. I had to run around a lot while keeping Roza. Despite this, I did not miss even a single Roza. Let us tell you that apart from the shareholders in the stock market, many others also look completely fit.

# My staff shown no cash, conspiracy to frame: Justice Varma’s response

New Delhi | In response to claims that wads of burnt currency were found and removed during a fire at his residence on the night of March 14-15, Delhi High Court judge Justice Yashwant Varma has said that his staff who went to the scene after the blaze were not shown any remnants of cash there. “When the fire broke out around midnight, the fire service was alerted by my daughter and my private secretary, whose calls would be duly recorded. During the exercise to douse the fire, all staff and the members of my household were asked to move away from the scene of the incident in view of safety concerns. After the fire was doused and when they went back to the scene of the incident, they saw no cash or currency on site,” he said in a response to Delhi High Court Chief Justice D K Upadhyaya. “None of the staff was shown any remnants of cash or currency

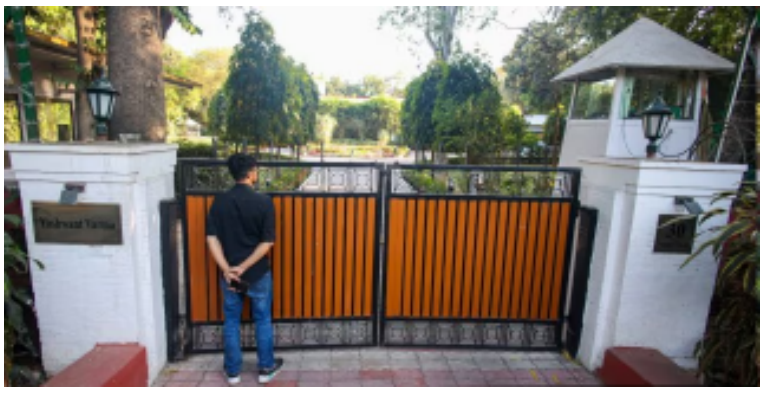

that may have been present on site. I have made my own enquiries from the staff present who have also stated that there was no ‘removal’ of currency which was allegedly found at the site or removed from the premises. The only thing which was cleared was debris and what they considered to be salvageable. That is still present in the house and can be seen kept apart in one part of the residence,” his letter to the HC Chief Justice said. Justice Varma also said that the incident “clearly appeared to be a conspiracy to frame and malign” him. A day after the Supreme Court Collegium on March 20 proposed the transfer of Justice Varma, a Delhi High Court judge, following an adverse report about the discovery of cash at his residence, Chief Justice of India Sanjiv Khanna had asked High Court Chief Justice Upadhyaya to seek a written explanation from him. CJI Khanna asked CJ Upadhyay to ask Justice Varma: “How does he account for the presence of money/cash in the room located in his premises… Explain the source of money/cash which was found in the said room”, and “who is the person who had removed the burnt money/cash from the room in the morning of March 15?” The CJI also asked the High Court CJ to request Justice Varma not to dispose of his mobile phones or delete or modify any conversation, messages or data. “Please also ascertain the details of the official staff of the High Court Registry, the personal security officers and the security guards who are posted at the residence of Justice Yashwant Varma during the last six months. Request letter may be sent to the mobile service provider(s) for providing call record details of the official or other mobile phone number(s) of Justice Yashwant Varma for the last six months.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।